

प्रश्न १- समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए कड़े कानून की नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है- विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। (शब्द सीमा ४०० शब्द)

या

एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए जिसका अंतिम वाक्य हो-

..... और की तरह उन्होंने मुझे माफ कर दिया। (४०० शब्द)

प्रश्न २- आजकल जीवन के महान मूल्यों के प्रति आस्था क्यों डोलने लगी है? क्या मानवता पूरी तरह समाप्त हो चुकी है? यदि नहीं तो पाठ 'क्या निराश हुआ जाए' के आधार पर अपने विचारों को प्रस्तुत कीजिए। (२५० शब्द)

प्रश्न ३- "मानवता की जीवन श्रम से हँसे दिशाएँ, हम जैसा बोएँगे वैसा ही पायेंगे।" पंक्ति का मूल भाव स्पष्ट कीजिए तथा कप ने ऐसा क्या कहा? लिखिए। (२५० शब्द)

प्रश्न ४- निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए-

(क) कलेजे का टुकड़ा।

(ख) घाव पर नमक छिड़कना।

(ग) रोड़ा अटकाना।

(घ) बाग - बाग होना।

(ङ) हाथ मलना।

(समाप्त)